आपकी राशि और धनदायक प्रयोग

रूस में एक कहावत है, 'हथौड़े की चोट शीशे को तोड़ देती है लेकिन लोहे को फौलाद बनाती है। हमें कुदरत से सीखने की जरूरत है। बत्तख पानी में जितनी तेजी से पांव चलाती रहती है, ऊपर से उतनी ही शांत और स्थिर दिखती है। सफलता के लिए कोई जादुई छड़ी नहीं होती। वास्तविक दुनिया में सफलता सिर्फ काम करने वालों को मिलती है, तमाशबीनों को नहीं। क्योंकि सफलता कोई अजूबा नहीं है, यह तो सिर्फ कुछ बुनियादी उसूलों का लगातार पालन करने का नतीजा है। सफलता और असफलता के विषय पर बहुत अनुसंधान हो चुका है बस जरूरत है तो हमें इतिहास से कुछ सीखने की। जब हम सफल व्यक्तियों की जीवनियों पर नजर डालते हैं तो पता चलता है कि सभी में निस्संदेह एक जैसे कुछ खास गुण है। जिंदगी के संघर्ष दुःखद या सुखद हो सकते हैं। यह इस बात पर निर्भर करता है कि हम इन संघर्षों का सामना कैसे करते हैं। बगैर कोशिश के कामयाबियां नहीं मिलती क्योंकि कोशिश करना सबका हक है। तो आइये एक कोशिश हम करें इस दीपावली पर अपनी राशि अनुसार रूठी लक्ष्मी को मनाने की, जो प्रसन्न होकर सहयोग करें हमारे अपने जीवन को उस मुकाम तक पहुंचाने की।

मेष से मीन राशि वाले व्यक्तियों को अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने हेतु निम्नलिखित प्रयोग किसी शुभ मुहूर्त में करने चाहिए। दीपावली लक्ष्मी साधनाओं एवं साधना क्रियाओं के लिए सिद्ध मुहूर्त्त होता है। इसमें किसी भी राशि का व्यक्ति अपना प्रयोग अथवा साधना संपन्न करें, तो उसे शीघ्रता से सफलता मिलती है।

मेष राशि–

इस राशि वालों को लक्ष्मीनारायण मन्त्र कल्याणप्रद होता है।

ऊँ श्रीं लक्ष्मीनारायणाय नमः।।

ॐ ह्रीं श्रीं लक्ष्मीनारायणाय नमः।।

मेष राशि के लिए लक्ष्मीदायक प्रयोग–

मेष राशि वाले व्यक्तियों में मंगल के सभी गुण विद्यमान रहते हैं मजबूत, सुदृढ़, कठोर मांसल युक्त, महत्वाकांक्षी रहते हैं आप। थोड़े व अल्प से आप संतुष्ट नहीं हो सकते। फिर चाहे वह शिक्षा क्षेत्र हो, विद्या प्राप्ति, अर्थोपार्जन या सामाजिक जीवन ही क्यों न हों तो शीघ्र करें अपनी राशि के यह उपाय और बनायें अपने जीवन को आनंददायी।

1. साधना कक्ष अथवा पूजाघर में लाल रंग से पुती हुई दीवारें आपके लिए शीघ्र सफलतादायक सिद्ध होगी।

2. पैतृक धन-संपत्ति एवं संचित धन का लाभ प्राप्त करने के लिए आपको कमल गट्टे की माला लाल वस्त्र में बांधकर अपने गल्ले अथवा तिजोरी में रखनी चाहिए।

3. यदि भाग्यवश धन प्राप्ति में बाधाएं आ रही हों तो गुलाब जल में पीला चंदन घिसकर कमल की डंडी से केले के वृक्ष से जुड़े पत्ते पर निम्नलिखित मंत्र लिखना चाहिए। मंत्र लिखने के बाद केले के पौधे को पीला वस्त्र लपेटना चाहिए।

मंत्रः-ॐ बृं बृहस्पतये नमः।।

4. यदि आपके ऊपर कर्ज हो, तो उतारने के लिए आपको श्वेतार्क गणपति को सिंदूर का चोला चढ़ाकर चांदी का वर्क लगाकर पंचोपचार से पूजन करके अपनी तिजोरी में अथवा धन स्थान में रखना चाहिए।

5. दीपावली की रात्रि में लाल चंदन और केसर घिसकर उससे रंगा हुआ श्वेत वस्त्र यदि आप अपने गल्ले अथवा तिजोरी में बिछाएंगे, तो उससे आपकी समृद्धि में हमेशा वृद्धि होगी तथा आकस्मिक धनहानि का अवसर भी नहीं आएगा।

6. यदि आप धनतेरस के दिन संध्या के समय घर के मुख्य द्वार पर तेल का दीपक जलाएं तथा उस दीपक में दो काली गुंजा डाल दें, तो वर्ष भर आपको आर्थिक अनुकूलता प्राप्त होगी। आपका दिया हुआ उधार धन भी प्राप्त होगा।

वृष राशि–

वृष में जन्मे व्यक्तियों को इनमें से कोई एक मन्त्र जपना कल्याणकारी रहेगा।

वासुदेव मन्त्र- ऊँ क्रीं उत्तरथायठधृताय नमः।

विश्वरूप मंत्र- ऊँ ह्रीं विश्वरूपाय नमः।

ॐ गोपालाय उत्तर ध्वजाय नमः।

ऊँ ऐं क्लीम् श्रीं।

वृषभ राशि के लिए लक्ष्मीदायक प्रयोग–

वृषभ राशि वाले व्यक्ति घर-परिवार-कुटुंब-समाज सभी ओर से सारी जिम्मेदारी अपने ऊपर लेकर कर्त्तव्य का निर्वाह करते हैं। वृषभ राशि वाले इस दीपावली पर कीजिये अपनी राशि के यह प्रयोग और बना लीजिये अपनी जिंदगी और मजेदार।

1. साधना कक्ष अथवा पूजाघर में श्वेत रंग करवाना आपके लिए शीघ्र सफलतादायक होगा।

2. यदि आप पर्याप्त धनार्जन के बावजूद धनसंचय करने में असमर्थ हो रहे हों, तो आप दीपावली के दिन लक्ष्मी-गणेश पूजन के साथ-साथ कमल पुष्प का भी पूजन करें तथा पूजनोपरांत उसे अपने धन रखने के स्थान पर लाल वस्त्र में बांधकर रख लें।

3. दीपावली की रात्रि में गौघृत के दो दीपक जलाकर उन्हें किसी एकांत स्थान पर परस्पर बत्तियां मिलाकर अपनी मनोकामना मन ही मन करते हुए रख देना चाहिए।

4. यदि आपके संचित धन का निरन्तर व्यय हो रहा हो अथवा पैतृक धन-संपत्ति के सुख में बाधा आ रही हो, तो पीपल के पांच पत्ते लेकर उन्हें पीले चंदन में रंगकर बहते हुए जल में छोड़ देना चाहिए।

5. यदि आप कर्ज के बोझ से दबे हुए हों तथा चाहकर भी आर्थिक कष्टों से मुक्त नहीं हो रहे हों, तो लक्ष्मी पूजन के समय कमल गट्टे की माला माता लक्ष्मी को पहना दें। पूजन के बाद उस माला को लाल वस्त्र में बांधकर साथ में कुछ मुद्रा रखकर उसे धन स्थान में रख देना चाहिए। इससे आपके धन में वृद्धि होगी, कर्ज समाप्त होकर आपका धन संचय प्रारंभ हो जाएगा।

मिथुन राशि-

मिथुन राशि वालों के लिये भी निम्न मंत्र रचे गये हैं।

ब्रह्म मन्त्र- ऊँ क्रीं कृहमाय नमः।

केशव मंत्र- ऊँ क्रीं केशवाय नमः।

ॐ क्लीं कृष्णाय नमः।

ऊँ क्लीं ऐं सौः।

मिथुन राशि के लिए लक्ष्मीदायक प्रयोग-

मिथुन राशि वाले व्यक्ति विपरीत परिस्थितियों को भी अपनी सहज, स्वाभाविक बुद्धिमत्ता से स्वानुकूल बना लेने की क्षमता रखते हैं। स्वभाव से कठोर, घोर परिश्रमी, स्वकार्य दक्ष व चतुर तथा जीवन की अद्‌भुत क्षमता रखते हैं। यह बाधाओं पर विजय भी प्राप्त कर लेते हैं। अगर आपको कोई बाधा या अड़चन आ रही है तो करें यह आसान उपाय अपनी राशि अनुसार।

1. आपके लिए साधना अथवा पूजा का कक्ष हल्के हरे रंग का होना शीघ्र सफलतादायक होगा।

2. यदि आप उच्चस्तरीय आर्थिक सफलता चाहते हों, तो दीपावली के दिन दक्षिणावर्ती शंख की पूजा करके उसे अपने धन संचय के स्थान पर रख देना चाहिए। इससे आपकी आर्थिक स्थिति में निरंतर उन्नति होगी।

3. यदि आप ऋण जाल में उलझ गए हों तथा कोई मार्ग नहीं सूझ रहा हो, तो आपका लक्ष्मी पूजन के समय गणेशजी को हल्दी की माला पहनानी चाहिए। बाद में उस माला को हरे वस्त्र में बांधकर पूजाघर अथवा किसी स्वच्छ अलमारी में रखना चाहिए।

4. बरगद के पांच फल लाकर उसे लाल चंदन में रंगकर नए लाल वस्त्र में कुछ मुद्रा के साथ बांधकर अपने घर अथवा व्यवसाय, प्रतिष्ठान में किसी कील से लटका देना चाहिए।

5. यदि आपकी कोई विशेष अभिलाषा हो, तो लक्ष्मी पूजन के बाद एक जटायुक्त नारियल लेकर अपनी मनोकामना कहते हुए उसे लाल वस्त्र में बांधकर स्वच्छ एवं एकांत स्थान में रख देना चाहिए। जब आपकी अभिलाषा पूर्ण हो जाए, तो उस नारियल को माता लक्ष्मी के मंदिर में जाकर चढ़ा देना चाहिए।

6. यदि अकस्मात् धन लाभ की स्थितियां बन रही हों, किंतु लाभ नहीं हो रहा हो, तो असली पीले चंदन की पांच मणियां लेकर केले के वृक्ष पर टांग देनी चाहिए।

कर्क राशि-

इस राशि में जन्मे व्यक्तियों के लिये भी निम्न मंत्र रचे गये हैं।

हिरण्यगर्भ मन्त्र-ऊँ ह्रीं स्वाव्यास हिरण्यगर्भक रूपाय नमः।

हरिवंश मंत्र- ऊँ ह्रीं हरिहराय नमः।

ॐ हिरण्यगर्भाय अव्यक्त रूपिणे नमः।

ऊँ ह्रीं क्लीं श्रीं।

कर्क राशि के लिए लक्ष्मीदायक प्रयोग-

कर्क राशि वाले अति चंचल, जिंदादिल होते हैं। आपको सार्वजनिक स्थानों में जाने, मन, बहलाव के साधन ढूंढने की अपेक्षा घर में बैठे रहना पसंद है। स्वयं के बचाव की चिंता सदा आपको लगी रहती है चाहे वो आर्थिक हो या फिर सामाजिक। इसलिए अगर आपको भी कोई चिंता है तो करें दीपावली पर यह आसान उपाय और हो जायें अपनी चिंता से मुक्त।

1. आपको अपने पूजा घर अथवा साधना कक्ष के लिए सफेद एवं हल्के रंग की दीवारें तथा पर्दे आदि का प्रयोग करना चाहिए।

2. यदि आपको पूजा घर अथवा साधना कक्ष के लिए सफेद एवं हल्के रंग की दीवारें तथा पर्दे आदि का प्रयोग करना चाहिए।

3. यदि आपको अकस्मात् धन लाभ की अभिलाषा हो तो धन त्रयोदशी के दिन संध्या के समय पीपल वृक्ष के समीप तेल का पंचमुखी दीपक जलाना चाहिए।

4. यदि आप कर्ज के बोझ से दबे हुए हों तथा भरसक प्रयत्नों के बाद भी आर्थिक क्षेत्रों में सफलता नहीं मिल रही हो तो आपको पीले चंदन एवं केसर को घिसकर एक सफेद कपड़े को उसमें रखकर पूजा घर में रखना चाहिए तथा जब आपका कर्ज उतर जाए तो उसे बहते हुए जल में प्रवाहित कर देना चाहिए।

5. यदि आप दीपावली के दिन पीला त्रिकोण आकृति का झंडा विष्णु भगवान के मंदिर या किसी अन्य मंदिर में ऊंचाई वाले स्थान पर इस प्रकार लगाएं कि वह लहराता हुआ रहे, तो आपका भाग्य अगली दीपावली तक चमक उठेगा। एक वर्ष तक झंडे की देखभाल करते रहें।

6. यदि जीवन में आर्थिक स्थिति अनिश्चयपूर्ण हो, तो सोमवार के दिन एक मुट्ठी साबुत चावल बहते हुए जल में गुरू मंत्र का जप करते हुए छोड़ना चाहिए।

सिंह राशि-

सिंह राशि वाले जातक इन दो में से कोई एक मंत्र जप सकते हैं।

मुकुन्द मंत्र- ऊँ बालमुकुन्दाय नमः।

मदनगोपाल मंत्र- ऊँ क्रीं मदन गोपालाय नमः।

ॐ क्लीं ब्रह्मणे जगधाराय नमः।

ऊँ ह्रीं श्रीं सौंः।

सिंह राशि के लिए लक्ष्मीदायक प्रयोग-

सिंह राशि वाले व्यक्ति निडर, निर्भीक, स्वाभिमानी, स्वतंत्रता प्रेमी, कुल प्रधान, शौर्य व शक्ति युक्त, प्रतापी, उदार व आत्मविश्वासी होते हैं। आप अन्याय को पसंद नहीं करते हैं। आपकी यही भावना आपको देश, समाज व मित्रों में सम्मान दिलाती है। अगर आप किसी परेशानी व तकलीफ से परेशान हैं तो करें अपनी राशि के यह प्रयोग और पायें सुख-शांति के नये आयाम।

1. यदि अपने पूजा घर में आप रक्तवर्ण का रंग-रोगन कराएंगे तो साधना में शीघ्र सफलता प्राप्त होगी। यदि आप जीवन में उच्च स्तरीय सफलता प्राप्त करने के इच्छुक हों, तो आपको पूजाघर में वटवृक्ष की जड़ लाकर रखनी चाहिए।

2. पैतृक धन-संपत्ति का सुख प्राप्त करने के लिए आपको बुधवार के दिन हरे मूंग गीली भूमि में दबाने चाहिए।

3. यदि व्यवसाय में बार-बार हानि हो रही हो, तो बुधवार के दिन गाय को हरा चारा डालना चाहिए तथा घर में मनीप्लांट की बेल लगानी चाहिए।

4. दीपावली के दिन रात्रि के समय घर के मुख्य द्वार पर घी का दीपक जलाकर रखना चाहिए। यदि वह दीपक प्रातः, सूर्योदय तक जलता रहे, तो आगामी वर्ष में आपकी आर्थिक स्थिति तो सुदृढ़ होगी ही, साथ ही आपकी मान-प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी।

5. यदि शत्रु आपको धनहानि करने की चेष्टा कर रहे हों, तो छोटी दीपावली के दिन संध्या के समय पीपल के पत्ते पर अनार की कलम से गोरोचन के द्वारा शत्रु का नाम लिखकर भूमि में दबा दें। इस प्रयोग से शत्रु शांत होंगे तथा आपको धनहानि भी नहीं होगी।

6. यदि धन प्राप्त तो हो रहा हो, किंतु संचय बिलकुल भी नहीं हो रहा

हो, तो दीपावली के दिन दाहिने हाथ की कलाई पर मौली (कलावा) छः बार लपेटकर बांधना चाहिए तथा प्रतिदिन प्रातःकाल उठकर उसका दर्शन करना चाहिए। छः सप्ताह तक बांधने के उपरांत मौली को खोलकर पवित्र जल में छोड़ देना चाहिए।

कन्या राशि-

कन्या राशि वाले जातक निम्न में से कोई एक मंत्र नियमित रूप से जपते रहें तो निश्चित ही लाभान्वित होंगे।

परमानंद मंत्र- ऊँ ह्रीं परमात्मने नमः।

पीताम्बर मंत्र- ऊँ ह्रीं पीताम्बराय परमात्मने नमः।

ॐ नमो प्रीं पीताम्बराय नमः।

ऊँ क्लीम् ऐं सौंः।

कन्या राशि के लिए लक्ष्मीदायक प्रयोग-

कन्या राशि वाले व्यक्तियों में एक बौद्धिक क्षमता है व पारस्परिक संपर्क स्थापित करने की अनोखी कला से आप वाकिफ हैं। ईमानदारी, लगन और परिश्रम आपके चरित्र की विशेषताएं हैं। सुरूचिपूर्ण जीवन की कला से आप भली-भांति परिचित हैं। आप किसी समस्या से परेशान हैं, आपकी प्रगति में कोई रोड़ा अटकता है तो दीपावली आपके लिए वरदान हैं इन प्रयोग को संपन्न करने के लिए।

1. धन प्राप्ति हेतु आपको पूजा करते समय रेशमी वस्त्र का आसन लेना चाहिए तथा यदि दीवारों का रंग सफेद या हल्का पीला हो, तो साधना में शीघ्र सफलताएं मिलती हैं।

2. यदि जीवन में आर्थिक स्थिरता नहीं हो, तो धनतेरस के दिन दो कमलगट्टे लेकर उन्हें माता लक्ष्मी के मंदिर में अर्पित करना चाहिए।

3. यदि आप निरंतर कर्ज में डूबते जा रहे हों, तो धनतेरस से लेकर दीपावली के दिन तक तीन दिन निरंतर मीठे चावल कौए को खिलाएं।

4. यदि आपको शत्रुओं से धनहानि की आशंका हो, तो आपको काली राई लेकर किसी एकांत स्थान में गड्ढा खोदकर शत्रु का नाम लेते हुए दबा देनी चाहिए।

5. यदि आप स्थायी सुख-समृद्धि चाहते हों तो आपको पके हुए मिट्टी के घड़े को गेरू (लाल रंग) से रंगकर उसके मुख पर मौली बांधकर तथा उसमें जटायुक्त नारियल रखकर बहते हुए जल में प्रवाहित कर देना चाहिए। इस प्रयोग को गुप्त रूप से करना चाहिए। यदि प्रत्येक दीपावली को यह प्रयोग किया जाए, तो जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

6. यदि आप धन संचय नहीं कर पा रहे हों, तो आपको दीपावली के दिन लाल रूमाल में श्रीफल अपने गल्ले अथवा तिजोरी में रख देना चाहिए।

तुला राशि-

तुला राशि के जातक को केवल एक मंत्र का अवलम्ब लेना चाहिये। वस्तुतः यह संसार का सर्वश्रेष्ठ सरल और प्रभावी मंत्र है।

राम मंत्र- श्री रामायनमः।

ॐ तत्वनिरंजनाय तारकरामाय नमः।

ऊँ ऐं क्लीम् श्रीं।

तुला राशि के लिए लक्ष्मीदायक प्रयोग-

तुला राशि वाले व्यक्ति सौंदर्य, आकर्षण, स्नेह दिल, भावनाएं, सुदृढ़ता, सुरूचिपूर्ण आचरण आदि विशेषताएं रखते हैं। ईमानदारी, न्यायप्रियता, परिश्रम क्षमता आपके चारित्रिक गुण है। लोभ, लालच या प्रलोभन आपको डिगा नहीं सकता। ईमानदारी आपमें कूट-कूट कर भरी है। तुला राशि वाले व्यक्ति अपने जीवन की सफलता को यूं ही निरन्तर बनायें रखें इन प्रयोगों से।

1. लक्ष्मी साधनाओं में सफलता के लिए आपको दीवारों पर हरा रंग करवाना चाहिए। यदि आप खुले एवं हरे-भरे प्राकृतिक स्थान पर पूजा, आराधना करेंगे तो शीघ्र सफलता प्राप्त होगी।

2. यदि आर्थिक परेशानियों चल रही हो, तो इनसे बचने के लिए दीपावली के दिन प्रातःकाल स्नानादि से निवृत्त होकर सर्वप्रथम माता लक्ष्मी के मंदिर में जाकर नारियल चढ़ाना चाहिए।

3. यदि आप कर्ज से मुक्त होना चाहते हों, तो दीपावली की रात्रि में लक्ष्मी पूजन के समय कमल गट्टा लक्ष्मी चरणों के समीप रख दें तथा पूजन के उपरांत उसे अपनी तिजोरी अथवा धन रखने के स्थान पर लाल वस्त्र में बांधकर रख देना चाहिए।

4. यदि आपके संचित धन की बार-बार हानि हो रही हो, तो आपको लाल पत्थर पर निम्नलिखित यंत्र बनवाकर उसे अपने घर के किसी कोने में भूमि खोदकर दबा देना चाहिए।

5. यदि लाख प्रयत्नों के बावजूद आमदनी नहीं बढ़ रही हो, तो शुक्रवार के दिन सात कन्याओं को खीर आदि सफेद एवं मीठी वस्तु खिलानी चाहिए। यह प्रयोग बिना बताए करना चाहिए।

6. व्यवसाय में वृद्धि हेतु आपको वटवृक्ष के पत्र पर यह मंत्र 'ॐ श्रीं श्रियै नमः' सिन्दूर एवं घी के मिश्रण से लिखना चाहिए तथा उस यंत्र को बहते हुए जल में प्रवाहित कर देना चाहिए। दीपावली के दिन यह प्रयोग शीघ्र प्रभाव देता है।

वृश्चिक राशि-

इस राशि के जातकों के लिए निम्न मंत्रों का विधान मिलता हैं। किसी भी एक का जप उपयोगी होगा।

नारायण मंत्र- ऊँ नमोनाराणायेभि मंत्र सर्वार्थ साधकः।

जानकी मंत्र- ऊँ क्रीं जानकी रामाय नमः।

ॐ नारायण सुरसिंहाय नमः।

ऊँ ऐं क्लीम सौंः।

वृश्चिक राशि के लिए लक्ष्मीदायक प्रयोग-

वृश्चिक राशि वाले व्यक्तियों के शुरू के वर्ष काफी कठिनाइयों से भरे होते हैं। लेकिन 28 वर्ष बीतते-बीतते आप इतने ऊपर उठ जाते हैं कि लोग आश्चर्यचकित रह जाते हैं। आप विपत्तियों का डट कर सामना करते हैं। आपमें हिम्मत व सूझबूझ का अथाह सागर है। अगर आप भी किन्हीं तकलीफों से दो-चार हो रहे हैं तो करें यह सरल उपाय और बना लें अपने जीवन को और भी सरल।

1. आपको अपनी साधना कक्ष की दीवारें सफेद या हल्के रंग की रखनी चाहिए। यदि आप किसी पवित्र नदी अथवा जल के किनारे कोई पूजा-अनुष्ठान अथवा साधना संपन्न करेंगे, तो वह शीघ्रता से सिद्ध होगी।

2. जीवन में आर्थिक दृष्टिकोण से स्थिरता एवं सफलता हेतु आपको प्रतिदिन गुरू मंत्र का जप करना चाहिए। यदि आपने किसी को गुरू नहीं बनाया हो, तो आप गुरू मंत्र के स्थान पर बृहस्पति के मंत्र 'ॐ बृं बृहस्पतयै नमः' का जप कर सकते हैं।

3. जीवन में समृद्धि प्राप्त करने के लिए पीले चंदन एवं केसर को गुलाब जल में घिसकर उसे प्रत्येक गुरूवार को अपने माथे पर बिन्दी अथवा टीका लगाना चाहिए।

4. यदि आप निरन्तर कर्ज में उलझते जा रहे हों, तो श्मशान के कुएं का जल लाकर किसी पीपल वृक्ष पर चढ़ाना चाहिए। यह प्रयोग नियमित रूप से यदि छः शनिवार को किया जाए, तो आश्चर्यजनक परिणाम प्राप्त होते हैं।

5. यदि आप आर्थिक स्थिति से बिलकुल असंतुष्ट हों, तो दीपावली के दिन किसी मंदिर में केले के दो पौधे (नर-मादा) लगा दें तथा बाद में भी उसकी नियमित देखभाल करते रहें। जब पौधे फल देने लगें, तो उनके फलों का सेवन नहीं करना चाहिए।

धनु राशि-

धनु राशि के लोग भी मंत्र जप के अधिकारी होते हैं। उनके लिये निम्न में से कोई भी एक मंत्र जपना श्रेयस्कर होगा।

भगवान मंत्र- ऊँ ह्रीं क्रीं भगवते नमः।

धरणीधर मंत्र- ऊँ ह्रीं श्रीं क्रीं धरणीधराय नमः।

ॐ श्रीं देवकृष्णाय उर्ध्वषंताय नमः।

ऊँ ह्रीं क्लीं सौः।

धनु राशि के लिए लक्ष्मीदायक प्रयोग-

धनु राशि वाले व्यक्तियों में देवगुरू बृहस्पति के सभी गुण मौजूद हैं। आप मिलनसार व आशावादी हैं। आप जहां जायें लोग आपसे आकर्षित हो जाते

हैं। आपकी इन्हीं खूबियों की वजह से आप जहां भी जाते हैं खूब मान-सम्मान पाते हैं। अगर आप अपने व्यक्तित्व में और निखार लाना चाहते हैं तो करें यह लक्ष्मीदायक आसान उपाय।

1. आपको अपने पूजाघर अथवा साधना कक्ष में दीवारों को आसमानी रंग से रंगवाना चाहिए या अन्य किसी गहरे रंग का प्रयोग भी किया जा सकता है। यदि आप किसी धर्म स्थल/मंदिर में बैठकर कोई अनुष्ठान अथवा प्रयोग करेंगे, तो वह शीघ्रता से सफल होगा।

2. यदि आपके जीवन में पग-पग पर आर्थिक बाधाएं आ रही हों, तो आपको किसी पीपल वृक्ष को मंदिर में रोपकर उसकी देखभाल करनी चाहिए। जैसे-जैसे वह वृक्ष बड़ा होगा वैसे-वैसे आपके जीवन में समृद्धि आना शुरू हो जाएगी।

3. पान के पत्ते पर रोली से निम्नलिखित मंत्र लिखकर अपनी तिजोरी में दीपावली के दिन रखने से आगामी वर्ष में धन की वृद्धि होती है। पान के पत्ते को दूसरे दिन निकालकर उसे किसी पशु को खिला देना चाहिए। मंत्र : 'श्रीं'।

4. गूलर के 11 पत्तों को मौली से बांधकर यदि किसी वट वृक्ष पर बांध दिया जाए, तो आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी।

5. यदि आप अकस्मात् धन प्राप्ति के इच्छुक हों, तो आपको चंदन का वृक्ष घर में लगाना चाहिए। यदि चंदन का पौधा धीरे-धीरे वृद्धि करने लगे तो यह आपको अतुलनीय धन प्राप्ति करवाएगा।

6. चंदन की लकड़ी पर निम्नलिखित मंत्र खुदवाकर यदि धन स्थान पर रखेंगे, तो धन की सुरक्षा होती है।

मकर राशि-

मकर राशि के जातक को निम्न मंत्र दिया गया है।

मंत्र- ऊँ श्रीं पत्साय उपेन्द्राय नमः। ॐ श्रीं वत्सलाय नमः।

मकर राशि के लिए लक्ष्मीदायक प्रयोग-

मकर राशि वाले व्यक्तियों में विवेक व अनुशासन कूट-कूटकर भरा है। इनकी सहन शक्ति, दृढ़ता तथा निरन्तर गतिशीलता आपके स्वभाव में पायी जाती है। बुद्धि व चातुर्य में आपका कोई सानी नहीं है। साधारण कष्ट, आघात, बुराईयों का आप पर कोई असर नहीं होता और न इनसे आप प्रभावित ही होते हैं। अपने जीवन को और सुलझा हुआ बनायें इन लाभदायक प्रयोगों से।

1. आपके पूजा घर अथवा साधना कक्ष की दीवारें हरे रंग की होनी चाहिए। साथ ही आपको एकांत में निर्जन स्थान पर साधना एवं प्रयोग करने से शीघ्र सफलता प्राप्त होगी। जीवन के उत्तरार्द्ध में आप आसानी से सफलता प्राप्त करेंगे।

2. यदि पारिवारिक परेशानियों के कारण धन का अपव्यय हो रहा हो अथवा पैतृक धन-संपत्ति की हानि हो रही हो, तो शनिवार के दिन सूखे हुए पीपल वृक्ष की लकड़ी की कील बनाकर उसे मुख्य द्वार पर ठोक देना चाहिए। इससे धन हानि रूक जाएगी तथा पैतृक धन-संपदा की प्राप्ति की स्थितियां बनने लगेगी।

3. यदि अकस्मात् लाभ की स्थितियां बन रही हों, किंतु रूकावटें आ रही हों, तो आक की रूई का दीपक संध्या के समय किसी तिराहे पर रखने से आपको अप्रत्याशित लाभ होगा।

4. यदि आप अपेक्षा के अनुरूप धन-संचय नहीं कर पा रहे हों, तो दीपावली के दिन श्रीफल को लाल वस्त्र में बांधकर अपने गल्ले अथवा तिजोरी में रखना चाहिए।

5. यदि जीवन में आर्थिक अस्थिरता हो, तो आपको भूमि पर शयन करना चाहिए। जब तक कि आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ न हो जाए, यदि आप संकल्पपूर्वक भूमि पर शयन करेंगे तो कुछ ही समय में आपकी आर्थिक स्थिति में परिवर्तन आना शुरू हो जाएंगे तथा विषम परिस्थितियों में अनुकूलता मिलना प्रारंभ हो जाएगी।

कुंभ राशि-

कुंभ राशि के जातक के लिये निम्नलिखित मंत्र उपयोग होंगे।

गोपाल गोविन्द मंत्र- श्री गोपाल गोविन्दाय नमः।

श्याम मंत्र- ऊँ क्रीं ह्रीं साम्मने श्यामरामाय नमः।

ॐ श्रीं उपेन्द्राय अच्युताय नमः। ऊँ ह्रीं ऐं क्लीं श्रीं।

कुंभ राशि के लिए लक्ष्मीदायक प्रयोग-

कुंभ राशि वाले व्यक्तियों के विशेष गुण अंर्तदृष्टि, स्वाधीनता व अपरिवर्तनशीलता है। आप ठोकर सहन नहीं कर सकते, कार्य का अधूरापन आपको पसंद नहीं। स्वयं बंधन रहित रहकर अपने संपर्क में आने वालों को भी बंधन रहित जीवन की प्रेरणा देते हैं। आप धार्मिक तौर पर खूब नाम कमाते हैं। अगर आपको कोई रूकावट या परेशानी का सामना करना पड़ रहा है तो करें लक्ष्मी के यह आसान उपाय और बनायें अपने मार्ग को निष्कंटक।

1. आपको अपने पूजाघर अथवा साधना कक्ष में दीवारों को सफेद अथवा हल्के रंग से रंगवानी चाहिए। यदि आप किसी देवी को अपना इष्ट बनाएंगे, तो आपके जीवन में शीघ्रातिशीघ्र सफलताएं प्राप्त होगी।

2. दीपावली की रात्रि में धन प्राप्ति हेतु नारियल के कठोर आवरण में घी डालकर दीपक जलाना चाहिए तथा यह दीपक माता लक्ष्मी के सम्मुख पूरी रात्रि जलना चाहिए। यह प्रयोग आपको आर्थिक क्षेत्र में सफलता देगा।

3. यदि आप निरंतर आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे हों, तो आप मंदिर में केले के दो पौधे रोपकर उनकी देखभाल करें तथा उनके फलों को नहीं खाएं।

4. यदि व्यवसाय में शिथिलता एवं हानि की स्थितियां बन रही हों, तो उनसे बचने के लिए आपको वट वृक्ष की जड़ लाकर उसे सूती धागे में बांधकर दुकान के मुख्य द्वार के समीप बांध देना चाहिए। यदि सूती धागे को लाल चंदन में रंग लिया जाए, तो गुरूवार के दिन यह प्रयोग करना शीघ्रता से सफलता देता है।

5. यदि शत्रु पक्ष धनहानि पहुंचाने का प्रयास कर रहा हो, तो श्वेतार्क

श्री लघु नारियल

1. धन–वैभव, समृद्धि प्राप्ति हेतु 5 लघु नारियल स्थापित कर उस पर केसर से तिलक करे और हर नारियल पर तिलक करते समय 27 बार निम्न मंत्र मन ही मन जपता रहे। इस प्रकार पूर्ण श्रद्धा–भाव से की हुई पूजा चिर लक्ष्मी वरदान साबित होगी।

मंत्र- ऐं ह्रीं श्रीं क्लीं।।

2. मां अन्नपूर्णा भी लक्ष्मी का ही रूप है, अगर आप चाहते है कि घर में अन्न–धन का भंडार भरा रहे, कभी घर में अन्न की कमी ना हो तो आप 11 लघु नारियल किसी पीले वस्त्र में बांधकर रसोई सा स्टैंड के पूर्वी कोने में बांध दें, साक्षात् मां अन्नपूर्णा आपके भंडारगृह में अपनी उपस्थिति दर्ज करवायेगी।

3. 11 लघु नारियल को लक्ष्मी के चरणों में रख कर **''ऊँ महालक्ष्मै च विद्महे विष्णुपत्नीं च धीमहि तन्नो लक्ष्मी प्रचोदयात्।''** मंत्र की 2 माला फेर कर किसी लाल कपड़े में उन लघु नारियल को लपेट कर तिजोरी में रखें एवं दीपावली के दूसरे दिन किसी तालाब या सरोवर में विसर्जित कर दें। ऐसा करने वाले व्यक्ति के घर में लक्ष्मी चिरकाल तक स्थित रहती है। और व्यक्ति यश–वैभव से मालामाल होकर एक श्रेष्ठ जीवन यापन करता है।

गणपति को सिन्दूर चढ़ाकर चांदी का वर्क लगाकर उसे धन स्थान पर रख देना चाहिए। इससे धन की सुरक्षा होगी।

6. जीवन में स्थायी सुख-समृद्धि हेतु प्रत्येक दीपावली की रात्रि में लक्ष्मी पूजन करने वाले स्थान पर ही रात्रि में जागरण करना चाहिए। दीपक निरन्तर प्रज्जवलित रहना चाहिए।

मीन राशि-

राशि चक्र की इस बारहवीं और अन्तिम राशि के लिये भी निम्न मंत्र कहे गये हैं। जातक कोई भी एक मंत्र जप सकता है।

दामोदर मंत्र- ऊँ ह्रीं दामोदराय नंदनाय नमः।

चक्रपाणि मंत्र- ऊँ ह्रीं श्रीं क्रीं सथाग चक्राय नमः।

ॐ क्लीं उद्धृताय उद्धारिणे नमः।

ऊँ ह्रीं क्लीम् सौः।

मीन राशि के लिए लक्ष्मीदायक प्रयोग-

मीन राशि वाले व्यक्ति संवेदनशील, करूणा व रहस्यों से भरपूर होते हैं। आप विनम्र, दया, मिठास और शांत व्यवहार से कार्य करते हैं। उत्तेजित होना आपने सीखा ही नहीं। धीरे-धीरे शत्रु भी अपनी शत्रुता भूलकर आपके मित्र बन जाते हैं। अगर आप किसी तरह अपने जीवन को कष्टमय पाते हैं तो इस दीपावली पर करें माता लक्ष्मी के यह उपाय और बना लें अपने जीवन को कष्टों से मुक्त।

1. आपको अपने पूजाघर अथवा साधना कक्ष में लाल अथवा सफेद रंग से दीवारें रंगवानी चाहिए। यदि आप जलस्थल के समीप साधना करें, तो आपको शीघ्र सफलता प्राप्त होगी।

2. यदि आप आर्थिक दृष्टिकोण से स्थिरता एवं उच्च सफलता प्राप्त करना चाहते हों, तो मंगलवार के दिन श्मशान में स्थित हनुमान मंदिर में चोला चढ़ाना चाहिए। यदि यह प्रयोग सात मंगलवार को लगातार कर लिया जाए, तो बहुत शुभ फलदायक होता है।

3. यदि शत्रु वर्ग के कारण धनहानि का भय हो, तो दीपावली की रात्रि में अपने शत्रु का नाम कर्पूर के काजल से भूमि पर लिखकर अपने पैरों से मिटा दें। ऐसा करने से शत्रु शांत हो जाएगा।

4. यदि व्यवसाय में शिथिलता हो तथा बार-बार परिवर्तन की स्थिति बन रही हों, तो आपको घर में मनीप्लांट की बेल लगानी चाहिए तथा पवित्र स्थान का जल लाकर पूजाघर में रखना चाहिए।

5. प्रत्येक गुरूवार को पीले चंदन एवं केसर को गुलाब जल में घिसकर तिलक करने से कर्मक्षैत्र में अनुकूलता प्राप्त होती है तथा जातक के रूके हुए कार्य हल होने लगते हैं।

6. अकस्मात् धन प्राप्ति के लिए माता लक्ष्मी के मंदिर में सुगंधित धूपबत्ती, अगरबत्ती आदि का दान करना चाहिए। यदि शुक्रवार के दिन यह प्रयोग किया जाए, तो शीघ्र सफल होता है।

ज्योतिष विज्ञान के अनुसार रात-दिन का समय 12 राशियों में विभक्त है। प्रत्येक प्राणी किसी-न किसी राशि की अवधि में जन्म लेता है। हर एक राशि का प्रभाव अलग-अलग होता है।

साधक अपनी राशि का मंत्र यदि नियमित रूप से पूजा के समय कम-से-कम एक माला जपता रहे तो उसके राशि प्रभावगत दोषों का निवारण हो जाता है और उसे सुख-सौभाग्य की प्राप्ति होती है। नवग्रहों को अनुकूल बनाकर राशिनुसार शुभ प्रभाव बढ़ाने, धन-सम्पदा और भौतिक सुख प्रदान करने में ये मन्त्र अत्यन्त सफल माने जाते हैं।

अतः साधक को अपनी राशि से संबंध रखने वाले मंत्र का जाप निश्चित ही लाभदायक होगा। इसके साथ ही राशि अनुसार लक्ष्मी के लाभकारी प्रयोग भी दिये गये हैं। कोई भी व्यक्ति अपनी राशि अनुसार लक्ष्मी के प्रयोग सम्पन्न कर लक्ष्मी की कृपा दृष्टि का पात्र बन सकता है और अपने जीवन के समस्त दुःखों को सुखों में परिवर्तित कर सकता है ।♦♦♦

कालसर्प योग

एक महाविनाशकारी पीड़ादायक योग

कालसर्प योग एक भयानक पीड़ादायक योग है जो व्यक्ति के जीवन को अत्यंत दुःखदायी बना देता है। उस व्यक्ति के जीवन में किसी न किसी महत्वपूर्ण वस्तु का अभाव बना ही रहता है। चाहे वह व्यक्ति पूर्ण प्रधानमंत्री श्री जवाहरलाल नेहरू हो अथवा विश्व में बेहद चर्चित बिगबुल हर्षद मेहता। इस योग ने सभी को कष्ट दिया है। कालसर्प योग को लेकर जन सामान्य में अनेक भ्रांतिया हैं। इस योग की शान्ति के लिये आये दिन धूर्त ज्योतिषियों द्वारा कई प्रकार से पैसा ठगने की बात सामने आती है जबकि उस जातक को कालसर्प योग होता ही नहीं है। अतः सावचेत रहें। अगर आप वाकई कालसर्प योग के प्रभाव में हैं तो समय पर कालसर्प योग की शान्ति के लिये इन प्रामाणिक उपायों का सहारा लें।

कालसर्प दोष शान्ति हेतु विशेष सामग्री–1.सम्पूर्ण कालसर्प यंत्र 2.कालसर्प यंत्र 3.कालसर्प यंत्र पैंडल 4.कालसर्प यंत्र मुद्रिका 5.कालसर्प यंत्र पिरामिड (यंत्र, पैंडल व मुद्रिका स्वर्ण, चांदी, ताम्र में उपलब्ध)

आप सीधे ही बैंक एकाउन्ट में भी पैसा जमा करवा सकते हैं।

HDFC Bank A/c No. 014-225-6000-5331

(All Amount Payble at Jodhpur Account)

सामग्री प्राप्त करने हेतु सम्पर्क करें

त्रिनेत्र सिद्धि केन्द्र

'त्रिनेत्र भवन' प्लोट नम्बर–1, महावीर नगर, गौरव पथ, पॉलिटेक्निक कॉलेज के मैन गेट के पास, जोधपुर (राज.)

फोनः 0291–2621625, 2615625, 2618625, 2440111, 2440999 टेलीफैक्सः 0291–2618625

E-mail: tantravtj@yahoo.com Visit us: fameandfortune.org